- ऐसा कोई उपक्रम नहीं करें जिसमें बच्चे का स्थिर रखने का प्रयास हो और बच्चे के मुख को नहीं खोलें।
- उसे जगाने की कोशिश नहीं करें अथवा पीने के लिए कुछ न दें।
- अगर आपके बच्चे को पूर्व में भी फेबराइल सीजर हुआ हो और पुन: ऐसा हुआ है तो उसे रेचक औषधि प्रभाव के लिए डायजेपैम (माइक्रोपैम) युक्त माइक्रो-इनेमा दें।
- बच्चे के कुल्हों को 20 से 30 सेकंड तक एक साथ दबाएं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इनेमा की सामग्री रिस कर बाहर न निकले।
- अगर माइक्रोपाम देने के 30 से 60 सेकंड के अंदर आघात नहीं उतरे तो 118 पर फोन करें।

याद रखें कि :

- बुखार कम करने वाली दवा फेबराइल सीजर को नहीं रोकता है।
- अगर फेबराइल सीजर की समस्या ग्रस्त बच्चे को बुखार हो तो उसे अन्य बच्चों की तरह शिशु रोग विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार एसिटामिनोफेन या आइबुप्रोफीन दें।
- अगर फेबराइल सीजर की समस्या से ग्रस्त बच्चा स्वस्थ है लेकिन उसका तंत्रिका तंत्र बुखार रहने पर उत्तेजनशील रहता है।
- ऐसी स्थिति में अपने शिशु रोग विशेषज्ञ को उत्पन्न हुए सभी फेबराइल सीजर की रिपोर्ट देना अच्छी बात है।

SERVIZIO SANITARIO REGIONALE
EMILIA-ROMAGNA
Azienda Unità Sanitaria Locale di Reggio Emilia
IRCCS Istituto in tecnologie avanzate e modelli assistenziali in oncologia

फेबराइल सीजर (फीवर फिट)

USL -IRCCS रेजियो ईमिला की स्वास्थ्य देखभाल अथॉरिटी के प्राथमिक उपचार करने वाले शिशु रोग विशेषज्ञ चिकित्सक एवं अस्पताल आधारित शिशु रोग विशेषज्ञों द्वारा लिखित और साझाकृत सूचनात्मक पैंफलेट।

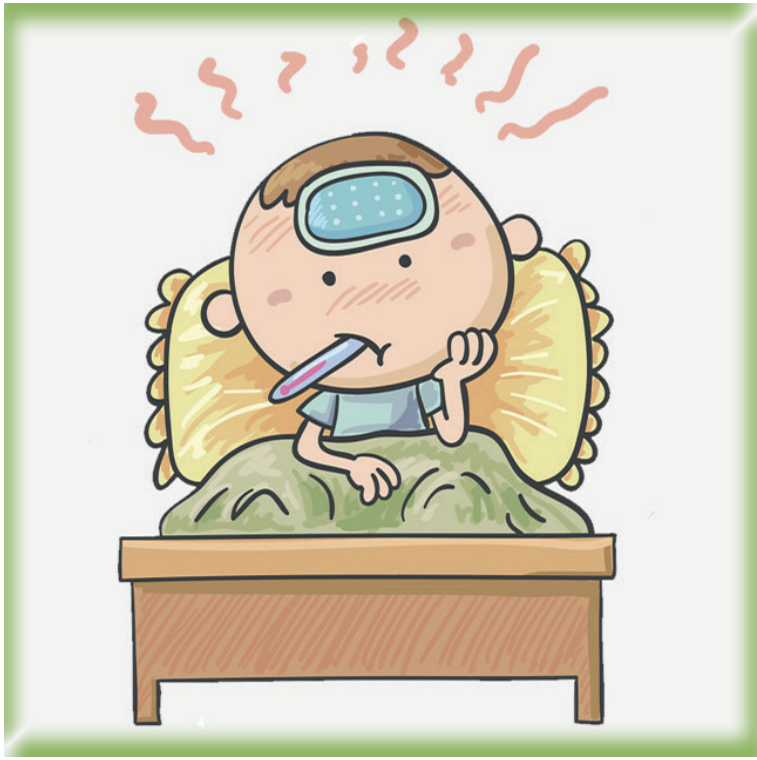

विषय प्रवेश

फेबराइल सीजर तंत्रिका तंत्र की अत्याधिक उत्तेजना का प्रकटीकरण है। यह शरीर के तापमान में वृद्धि (उच्च बुखार) के द्वारा उत्पन्न होता है।

यह सामान्यतया बुखार के साथ संक्रामक रोग होने के प्रारंभ में उत्पन्न होता है (24 से 36 घंटे के दौरान)। यह सामान्यतया 6 महीने से 5-6 वर्ष तक के बच्चों में देखा जाता है।

हालांकि यह सीजर बहुत विचलीत करने वाला होता है, यह सामान्यतया बहुत कम समय तक रहता है (कुछ सेकंड से कई मिनटों तक) और दुर्लभ मामले को छोड़ कर यह मस्तिष्क को क्षति नहीं पहुंचाता है।

ऐसे बच्चे जिसे फेबराइल सीजर की परेशानी पूर्व में हुआ हो उसे दूसरी बार भी हो सकता है। इस प्रकार का सीजर अक्सर परिवारों में चलता है (उदाहरण के लिए संभव है कि किसी भाई या माता-पिता को सीजर का अधात हुआ हो)। हालांकि फेबराइल सीजर का अर्थ इपिलेप्सी होना नहीं है।

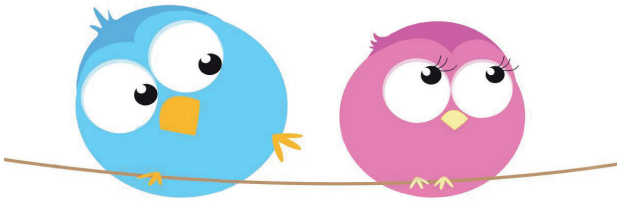

इसके लक्षण क्या होते हैं?

- अचानक होश खो देना (बात करने पर बच्चा जवाब नहीं देता है)।
- आंखों को आगे की ओर या किनारे की ओर चलाना।
- सांस लेने में परेशानी और/या सांस लेने के समय शोर होना।
- बच्चा गतिहीन, शरीर में अकड़न और उसकी दांत पर दांत चढ़ी हो सकती है; या उसकी मांसपेशियां ढीली हो सकती हैं।
- रिदम युक्त प्रचालन जैसे कि पैर और हाथों में शेकिंग/सिहरन हो सकता है।
- मुंह के आसपास का क्षेत्र पीला पड़ सकता है और/या नीला हो सकता है (सायनोटिक)।
- मुंह से झागदार लार (फोम) बाहर निकल सकता है और अगर बच्चे ने अपनी जीभ को दांतों से काटा हो तो लार में रक्त के धब्बे हो सकते हैं।
- उदर और/या ब्लैडर पर नियंत्रण समाप्त हो सकता है।
- आघात सामान्यतया कुछ ही मिनट का होता है और बच्चे के जगने के साथ ही समाप्त हो जाता है, लेकिन उसे घटना के बारे में कुछ याद नहीं रहती है।
- सीजर के बाद बच्चे हमेशा ऊंघता रहता है (उसे सोने की इच्छा और आवश्यकता होती है)।

क्या करें

- घबड़ाएं नहीं
- सीजर शुरू होने के समय को नोट कर लें और देखें कि यह कैसे बढता है ताकि आप बाद में इसकी जानकारी स्वास्थ्य चिकित्सा प्रदाता को दे सकें।
- अगर यह पहला प्रसंग हो तो **118** (मेडिकल आपातकालीन नंबर) पर फोन करें और ऑपरेटर के दिशा-निर्देशों का पालन करें।
- अपने वाहन से बच्चे को अस्पताल नहीं ले जाएं।
- बच्चे के ऊपर से रजाई या सख्त वस्त्रों को हटा दें (कॉलर और बेल्ट) ताकि उसे प्रचालन करने में अधिक स्वतंत्रता मिले।
- उन वस्तुओं को पास से हटा लें जो उसे आघात के समय नुकसान पहुंचा सकती हों।
- बच्चे की सुरक्षा को सुनिश्चित करें; उसे करवट के बल लिटाएं और लार या कय को सांस के माध्यम से ग्रहण करने से बचाएं।